



ॐमेश्वरनाथ सेवा संघ
अमांव, बलिया, उत्तर प्रदेश-277501
Social, Cultural Institution & Trust
www.ameshwarnathsewasangh.com



मुख्य कार्यालय: आमेश्वरनाथ धाम, अमांव, बलिया, उत्तर प्रदेश-277501

आपातकालीन सम्पर्क सूत्र-7753955951

रजि०-187/2019

दिनांक-13-02-2026

रंगोली प्रतियोगिता-2025/2026 भाग लेने वाले अभ्यर्थी का नाम

टीम -1			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
1	खुशी वर्मा	कन्हैया वर्मा	शिव लिंग का रंगोली
2	श्वेता प्रजापति	मनोज प्रजापति	
3	अमृता वर्मा	कन्हैया वर्मा	
4	कुंती प्रजापति	संजय कुमार प्रजापति	
5	आँचल प्रजापति	श्री निवास प्रजापति	
टीम -2			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
6	शबनम खातून	हासिम अंसारी	फूल का रंगोली
7	आयुषी प्रजापति	राजेश प्रजापति	
8	अनुप्रिया प्रजापति	अनिल कुमार प्रजापति	
9	शानवी पासवान	बब्लू पासवान	
10	रोली वर्मा	कन्हैया वर्मा	
टीम -3			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
11	शशिकला प्रजापति	राजेश प्रजापति	रंगोली
12	वर्तिका पासवान	बब्लू पासवान	
13	अनुष्का प्रजापति	अनिल कुमार प्रजापति	
टीम -4			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
14	ज्योति प्रजापति	कुलदीप प्रजापति	रंगोली
15	नंदिनी शर्मा	ओम प्रकाश शर्मा	
16	अंजलि पासवान	राम प्रवेश पासवान	
17	संध्या शर्मा	राम जी शर्मा	
टीम -5			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
18	आकृति	मनोज प्रजापति	फूल का रंगोली
19	खुशबू प्रजापति	मनोज प्रजापति	

॥विद्याभ्यास स्तपो ज्ञानमिन्द्रियाणां च संयमः ॥

॥अहिंसा गुरुसेवा च निःश्रेयसकरं परम् ॥



ॐ अमेश्वरनाथ सेवा संघ
अमांव, बलिया, उत्तर प्रदेश-277501
Social, Cultural Institution & Trust
www.ameshwarnathsewasangh.com



मुख्य कार्यालय: अमेश्वरनाथ धाम, अमांव, बलिया, उत्तर प्रदेश - 277501

आपातकालीन सम्पर्क सूत्र - 7753955951

रजि० - 187/2019

टीम -6			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
20	आयुषी गुप्ता	तारकनाथ गुप्ता	रंगोली
21	अनुष्का खरवार	मनोज खरवार	
टीम -7			
क्र०सं०	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी के पिता का नाम	रंगोली का प्रकार
22	ज्योति वर्मा	बल्लू वर्मा	रंगोली
23	आंचल वर्मा	बल्लू वर्मा	



॥विद्याभ्यास स्तपो ज्ञानमिन्द्रियाणां च संयमः ॥

॥अहिंसा गुरुसेवा च निःश्रेयसकरं परम् ॥